

भारत सरकार  
संचार मंत्रालय  
दूरसंचार विभाग

लोक सभा  
तारांकित प्रश्न संख्या- \*59  
उत्तर देने की तारीख 20 नवम्बर, 2019

भारत संचार निगम लिमिटेड नेटवर्क गुणवत्ता

\*59. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) 'कॉल ड्रॉप' के संबंध में भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) इस संबंध में सरकार द्वारा कौन-से उपचारात्मक कदम उठाए गए हैं;
- (ग) क्या पूरे देश में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की नेटवर्क गुणवत्ता खराब स्थिति में है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा कौन से सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं;
- (घ) क्या प्रतिस्पर्धी दूरसंचार बाजार में बीएसएनएल पिछड़ रहा है और विगत तीन वर्षों के दौरान ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संचार, विधि और न्याय तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री  
(श्री रविशंकर प्रसाद)

(क) से (ङ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

**‘भारत संचार निगम लिमिटेड नेटवर्क गुणवत्ता’ के बारे में लोक सभा के दिनांक 20 नवंबर, 2019 के तारांकित प्रश्न सं. \*59 के भाग (क) से (ड) के संबंध में लोक सभा के पटल पर रखा जाने वाला विवरण।**

**(क) और (ख):** भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) स्वयं द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सेवा गुणवत्ता विनियमों द्वारा निर्धारित किए गए कॉल ड्रॉप सहित विभिन्न सेवा गुणवत्ता पैरामीटरों के बेंचमार्क के आधार पर तिमाही कार्य-निष्पादन निगरानी रिपोर्टों (पीएमआर) के माध्यम से दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के कार्य-निष्पादन की निगरानी करता है। कार्य-निष्पादन का आकलन पूरे लाइसेंस सेवा क्षेत्र को एक इकाई मान कर किया जाता है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने “बेसिक (वायरलाइन) और सेलुलर मोबाइल टेलीफोन सेवा के सेवा-गुणवत्ता मानक (पांचवां संशोधन) विनियमावली, 2017” जारी की है, जो दिनांक 1 अक्टूबर, 2017 से लागू है। इन विनियमों में मोबाइल नेटवर्क में कॉल ड्रॉप का आकलन करने के लिए दो संशोधित पैरामीटर निर्धारित किए गए हैं अर्थात् कॉल ड्रॉप दर (डीसीआर) के स्थानिक वितरण माप (बेंचमार्क  $\leq 2\%$ ) जिसका तात्पर्य यह है कि नेटवर्क में कम से कम 90% सेलों का निष्पादन कम से कम 90% दिवसों पर 2% के विनिर्दिष्ट बेंचमार्क से बेहतर होना चाहिए। इसी प्रकार, एक और नया पैरामीटर है, डीसीआर कालसूचक वितरण माप (बेंचमार्क  $\leq 3\%$ ) और इससे यह भरोसा उत्पन्न होगा कि नेटवर्क में कम से कम 90% दिवसों पर कम से कम 97% सेलों के लिए 3% के विनिर्दिष्ट बेंचमार्क से बेहतर निष्पादन हुआ है।

सेलुलर मोबाइल टेलीफोन सेवाओं के लिए सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही की पीएमआर के अनुसार पश्चिम बंगाल सेवा क्षेत्र में मैसर्स बीएसएनएल को छोड़कर सभी सेवा प्रदाता “नेटवर्क क्यूओएस, डीसीआर स्थानिक वितरण माप अथवा डीसीआर नेटवर्क\_क्यूएसडी (90,90) (बेंचमार्क  $\leq 2\%$ )” का अनुपालन कर रहे हैं। पैरामीटर “नेटवर्क क्यूओएस, डीसीआर कालसूचक वितरण माप अथवा डीसीआर नेटवर्क\_क्यूटीडी (97,90) (बेंचमार्क  $\leq 3\%$ )” के लिए पश्चिम बंगाल सेवा क्षेत्र में मैसर्स बीएसएनएल और जम्मू और कश्मीर सेवा क्षेत्र में मैसर्स वीआईएल (आइडिया) और वीआईएल (वोडाफोन) को छोड़कर सभी सेवा प्रदाता इन पैरामीटरों के लिए निर्धारित किए गए बेंचमार्क का अनुपालन कर रहे हैं।

जहां कहीं भी बेंचमार्क को पूरा नहीं किया जा रहा है वहाँ सेवा प्रदाताओं से स्पष्टीकरण मांगा जाता है तथा इस संबंध में सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए स्पष्टीकरण पर विचार करने के बाद ट्राई बेंचमार्क का अनुपालन नहीं करने पर वित्तीय अर्थदण्ड लगाता है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दिनांक 01 अक्टूबर, 2017 से उस सीमा के आधार पर डीसीआर पैरामीटरों के लिए एक संशोधित श्रेणीकृत वित्तीय अर्थदण्ड (एफडी) संरचना की शुरुआत की है जिस सीमा तक दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) का कार्य-निष्पादन विनिर्दिष्ट डीसीआर बेंचमार्क से कम होता है।

**(ग)** जहां तक भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की सेवा गुणवत्ता का संबंध है, सेलुलर मोबाइल टेलीफोन सेवाओं के लिए सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही की पीएमआर के अनुसार बीएसएनएल पश्चिम बंगाल सेवा क्षेत्र में कॉल ड्रॉप से संबंधित पैरामीटरों तथा केरल सेवा क्षेत्र में “डाउन-टाइम के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित बेस स्टेशनों (प्रतिशत) (बेंचमार्क  $\leq$  2%)” को छोड़कर सामान्यतः अपने सभी सेवा क्षेत्रों में नेटवर्क से संबंधित सभी पैरामीटरों का अनुपालन कर रहा है।

**(घ) और (ङ):** सेलुलर सेवाओं के संबंध में बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या पिछले तीन वर्षों में आंशिक रूप से बढ़ी है। हालांकि, लैंडलाइन और ब्रॉडबैंड सेवाओं के संबंध में बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या में कमी आई है। दिनांक 31 मार्च 2016, मार्च-2017, मार्च-2018, मार्च-2019 तथा दिनांक 30 सितंबर-2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की कुल संख्या **अनुबंध-1** पर दी गई है।

बीएसएनएल को वर्ष 2009-10 से हानि हो रही है। “रूग्ण/प्रारंभिक रूग्ण तथा संकटग्रस्त केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का पुनरुद्धार तथा पुनर्गठन हेतु प्रणाली को सुव्यवस्थित करना” विषय पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों के आधार पर, दूरसंचार विभाग ने बीएसएनएल/एमटीएनएल के पुनर्गठन/पुनरुद्धार योजना की तैयारी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मंत्रिमंडल ने दिनांक 23.10.2019 को आयोजित की गई अपनी बैठक में उक्त पुनरुद्धार योजना को अनुमोदित कर दिया है। इस पुनरुद्धार योजना में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के माध्यम से कर्मचारी लागत में कमी करना, 4जी सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित करना, बीएसएनएल/एमटीएनएल की भूमि/भवनों, टावर और फाइबर परिसंपत्तियों का मुद्राकरण करना तथा बीएसएनएल और एमटीएनएल के विलय का सिद्धान्त रूप में अनुमोदन करना सहित विभिन्न उपाय शामिल हैं।

अनुबंध-1

“भारत संचार निगम लिमिटेड नेटवर्क गुणवत्ता” के बारे में माननीय संसद सदस्य श्री दिलेश्वर कामैत द्वारा पूछे गए लोक सभा के दिनांक 20 नवंबर, 2019 के तारांकित प्रश्न सं0 59\* के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

सेवा	बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या			
	मार्च 2017	मार्च 2018	मार्च 2019	सितंबर 2019
वायरलेस	10,02,13,739	11,10,46,445	11,56,64,576	11,69,72,029
वायरलाइन	1,36,88,964	1,22,67,391	1,11,67,679	1,01,29,492
ब्रॉडबैंड	1,02,76,653	98,89,003	99,65,012	96,37,643

\*\*\*\*\*